International Journal of Emerging Voices in Education
©PIJMS | Volume 1 | Issue 3 | November 2025 | ISSN: 3107-958X (Online)
Available online at: https://ijeve.com/
DOI: https://doi.org/10.59828/ijeve.v1i3.15

गोरखपुर जनपद में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

धीरेन्द्र यादव[1], प्रो० (डॉ.) ममता गुप्ता[2]

[1]शोधार्थी (शिक्षा संकाय), जे. एस. विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद (फोरोजाबाद), उत्तर प्रदेश

[2]शोध निर्देशिका, प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, शिकोहाबाद (फोरोजाबाद), उत्तर प्रदेश

[1]**Email:** dheerendrayadav340@gmail.com

Received: 14 November 2025 | **Accepted:** 25 November 2025 | **Published:** 30 November 2025

सारांश

यह अध्ययन गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में लिंग और क्षेत्रीय भिन्नताओं का विश्लेषण करता है। यह शोध विभिन्न प्रकार के मूल्यों—सैद्धांतिक, आर्थिक, सौंदर्यात्मक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, प्रवाह, लचीलापन और मौलिकता—में पुरुषों और महिलाओं के बीच के अंतर पर केंद्रित है। गोरखपुर जिले के 400 बी.एड. छात्रों (200 पुरुष और 200 महिला) से संबंधित डेटा का विश्लेषण किया गया। परिणामों के अनुसार, महिलाओं में सभी मूल्य श्रेणियों में पुरुषों की तुलना में उच्चतम औसत मूल्य (मध्यमान) पाए गए, विशेष रूप से सैद्धांतिक, आर्थिक, सौंदर्य, सामाजिक और राजनीतिक मूल्यों में। इसके अतिरिक्त, महिलाओं में प्रामाणिक विचलन (Standard Deviation) और प्रमाणिक त्रुटि (Standard Error) भी पुरुषों से कम पाई गई, जो उनके मूल्य निर्धारण में अधिक सुसंगतता और स्थिरता को दर्शाती है। क्रांतिक अनुपात (Critical Ratio) ने भी यह साबित किया कि लिंग के बीच मूल्यों में सार्थक अंतर मौजूद है। यह अध्ययन इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि महिलाओं में शैक्षिक दृष्टिकोण, सामाजिक और मानसिक दृष्टिकोण से अधिक संवेदनशीलता और प्रगतिशीलता देखने को मिलती है। इस शोध से यह भी सिद्ध हुआ कि क्षेत्रीय और लिंग आधारित भिन्नताएँ बी.एड. छात्रों के शैक्षिक मूल्य निर्धारण को प्रभावित करती हैं। यह अध्ययन शैक्षिक नीतियों और पाठ्यक्रमों के डिज़ाइन में इन भिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए सुधार की आवश्यकता को प्रस्तुत करता है।

कुंजीशब्द: गोरखपुर, बी.एड. प्रशिक्षणार्थी, मूल्य, लिंग भिन्नता, क्षेत्रीय प्रभाव, सैद्धांतिक मूल्य, आर्थिक मूल्य, सौंदर्यात्मक मूल्य

1. परिचय

शिक्षा समाज में परिवर्तन और प्रगति का एक महत्वपूर्ण साधन है, और इसका उद्देश्य न केवल ज्ञान का प्रसार करना है, बल्कि समाज में नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी संवर्धित करना है। शिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित व्यक्तियों के मूल्यों का सीधा असर उनके शिक्षण कार्य और छात्रों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास पर पड़ता है। शिक्षक का पेशेवर जीवन उनके व्यक्तिगत मूल्यों पर निर्भर करता है, और वे जिस प्रकार से अपनी शिक्षा का संचालन करते हैं, वह छात्रों की सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित करता है। इसलिए, बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का अध्ययन न केवल उनके व्यक्तिगत विकास को समझने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह शिक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में भी आवश्यक कदम है।

This is an open access article under the Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.

गोरखपुर जनपद, जो कि एक मिश्रित समाज है, में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का अध्ययन करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यहाँ के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संदर्भों में भिन्नताएँ देखने को मिलती हैं। इन भिन्नताओं के कारण बी.एड. छात्रों के मूल्यों में लिंग (पुरुष और महिला) और क्षेत्रीय (ग्रामीण और शहरी) आधार पर महत्वपूर्ण अंतर हो सकते हैं। यह अध्ययन यही समझने की कोशिश करता है कि गोरखपुर के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के बीच मूल्यों में क्या भिन्नताएँ हैं और इनका शिक्षा प्रणाली पर क्या प्रभाव पड़ता है।

इस अध्ययन में विभिन्न प्रकार के मूल्यों का विश्लेषण किया गया है, जैसे कि सैद्धांतिक मूल्य, आर्थिक मूल्य, सौंदर्यात्मक मूल्य, सामाजिक मूल्य, राजनीतिक मूल्य और धार्मिक मूल्य। यह सभी मूल्य बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मानसिक दृष्टिकोण, उनकी कार्यशैली, और उनके पेशेवर जीवन में गहरे प्रभाव डालते हैं। उदाहरण स्वरूप, सैद्धांतिक मूल्य उन प्रशिक्षणार्थियों की सोच और दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं, जो शिक्षा के महत्व को समझते हुए दूसरों को ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रेरित होते हैं। इसके विपरीत, आर्थिक मूल्य प्रशिक्षणार्थियों के दृष्टिकोण को आर्थिक साक्षरता और स्वावलंबन की ओर केंद्रित करते हैं, जो उनकी शिक्षा के अनुभव को एक व्यावहारिक दिशा प्रदान करते हैं। इसी प्रकार, सौंदर्यात्मक, सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक मूल्य भी प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षा की दिशा को प्रभावित करते हैं और उनके समाज में योगदान की दिशा निर्धारित करते हैं।

गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का यह अध्ययन शिक्षा के क्षेत्र में एक आवश्यक पहलू है। इसके परिणामों से यह स्पष्ट हो सकता है कि विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में कितना अंतर है और इसका शिक्षा की गुणवत्ता पर क्या प्रभाव पड़ता है। इससे प्राप्त परिणामों का उद्देश्य यह है कि हम शिक्षा की नीति, शैक्षिक योजनाओं और कार्यक्रमों में सुधार करें ताकि छात्रों के मूल्य सकारात्मक दिशा में विकसित हो सकें और वे एक बेहतर नागरिक बनकर समाज में योगदान दे सकें।

समाज में बदलाव और प्रगति के लिए यह जरूरी है कि हम शैक्षिक संस्थानों के माध्यम से एक ऐसा मूल्य-आधारित शिक्षा तंत्र विकसित करें, जो हर छात्र के मानसिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को ध्यान में रखते हुए उसे एक सक्षम और जागरूक नागरिक बनाए। गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का यह अध्ययन शिक्षा क्षेत्र में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल प्रशिक्षणार्थियों के व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि समाज में बेहतर बदलाव की नींव भी रखेगा। इस अध्ययन से मिलने वाले परिणाम शिक्षा के विकास, शिक्षक प्रशिक्षण और सामाजिक समावेशिता को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

2. समीक्षायें (Literature Review)

बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक मूल्यों पर लिंग और क्षेत्रीय प्रभाव के संबंध में विभिन्न शोधों में विचार किया गया है। भारत में शैक्षिक प्रणाली का विकास, उसके सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश के हिसाब से होता है, और यह प्रभाव बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यांकन पर भी देखा गया है। कई अध्ययन इस बात की ओर संकेत करते हैं कि शैक्षिक संस्थान में पुरुष और महिला छात्र-छात्राओं के मूल्य, दृष्टिकोण और शैक्षिक उपलब्धि में अंतर होता है।

लिंग का शैक्षिक मूल्यांकन पर प्रभाव पर कई शोधकर्ताओं ने विचार किया है। अध्ययन बताते हैं कि महिलाओं की शैक्षिक सफलता और उनकी शैक्षिक उपलब्धि में पुरुषों की तुलना में अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण होते हैं। महिलाएं समाज में सामान्यतः अपने कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों के प्रति अधिक जागरूक होती हैं, जो उनके शैक्षिक परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। गंगुली (2019) ने अपने अध्ययन में यह पाया कि बी.एड. महिला प्रशिक्षणार्थियों में पुरुषों की तुलना में उच्च मूल्य होते हैं, जो कि उनके

व्यक्तिगत, सामाजिक और शैक्षिक दृष्टिकोण को प्रभावित करता है। महिलाओं का शैक्षिक मूल्यांकन में अधिक सक्रिय और चिंतनशील दृष्टिकोण भी दिखाई देता है।

क्षेत्रीय प्रभाव का शैक्षिक मूल्यों पर गहरा प्रभाव होता है, जो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच विभिन्नताएँ उत्पन्न करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं में सामाजिक और पारंपरिक मूल्यों की अधिक प्रधानता होती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में छात्र-छात्राओं की शैक्षिक दृष्टि अधिक प्रगतिशील और लचीली होती है। इस संबंध में, मिश्रा (2021) ने अपने अध्ययन में पाया कि शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में ग्रामीण बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में सामाजिक और धार्मिक मूल्यों की अधिक प्रधानता पाई जाती है।

शैक्षिक मूल्यों का अध्ययन विभिन्न आयामों में किया गया है, जैसे कि सैद्धांतिक मूल्य (Theoretical Values), आर्थिक मूल्य (Economic Values), सौंदर्यात्मक मूल्य (Aesthetic Values), सामाजिक मूल्य (Social Values), धार्मिक मूल्य (Religious Values), राजनीतिक मूल्य (Political Values), और मौलिकता (Originality)। चोपड़ा (2020) ने अपने अध्ययन में पाया कि महिला बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में सामाजिक और सौंदर्यात्मक मूल्यों का स्तर पुरुषों की तुलना में अधिक होता है, वहीं पुरुषों में सैद्धांतिक और आर्थिक मूल्यों की प्रधानता अधिक पाई जाती है।

इस संदर्भ में, यादव (2018) और शर्मा (2020) के शोध में लिंग और क्षेत्रीय आधार पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में अंतर को स्पष्ट रूप से देखा गया है। यादव ने पाया कि शहरी क्षेत्रों में पुरुष और महिला प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में समान अंतर कम था, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का स्तर पुरुषों से बहुत अधिक था। इसके विपरीत, शर्मा ने क्षेत्रीय अंतर पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह पाया कि शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त करने के दौरान महिलाओं के पास बेहतर सामाजिक दृष्टिकोण और सैद्धांतिक दृष्टिकोण होते हैं।

शैक्षिक मूल्यों का न केवल व्यक्तिगत विकास पर प्रभाव पड़ता है, बल्कि यह समाज के विभिन्न क्षेत्रों में भी अपनी छाप छोड़ता है। उदाहरण स्वरूप, विकासशील क्षेत्रों में सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूकता, राजनीति, धर्म और संस्कृति पर भी प्रभाव डालता है। रानी (2022) ने अपने शोध में पाया कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यांकन में समाजिक जागरूकता और आर्थिक उन्नति की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है, जो क्षेत्रीय और लिंग अंतर को प्रभावित करती है।

इस समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक मूल्यों पर लिंग और क्षेत्रीय प्रभाव गहरा होता है। लिंग के आधार पर महिलाएं अधिक संवेदनशील और जागरूक होती हैं, जबकि पुरुष अधिक सैद्धांतिक और आर्थिक दृष्टिकोण रखते हैं। क्षेत्रीय भिन्नताएँ शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में मूल्यों की विभिन्नता को प्रस्तुत करती हैं, जहां शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की शैक्षिक दृष्टि अधिक प्रगति के साथ होती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक और सामाजिक मूल्य प्रमुख होते हैं। इस अध्ययन से जुड़े परिणामों को ध्यान में रखते हुए यह कहा जा सकता है कि बी.एड. प्रशिक्षण कार्यक्रमों को इस भिन्नता को समझते हुए डिजाइन किया जाना चाहिए, ताकि सभी छात्रों की शैक्षिक और व्यक्तिगत वृद्धि को बढ़ावा मिल सके।

3. शोध विधि (Research Methodology)

यह अध्ययन गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में लिंग और क्षेत्रीय प्रभाव का अध्ययन करने के लिए किया गया है। अध्ययन की विधि, नमूना चयन, डेटा संग्रहण और सांख्यिकीय विश्लेषण के विस्तृत विवरण निम्नलिखित हैं:

शोध डिज़ाइन (Research Design): यह अध्ययन सांख्यिकीय तुलनात्मक डिज़ाइन (Statistical Comparative Design) पर आधारित है, जिसमें गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों (जैसे सैद्धांतिक, आर्थिक, सौन्दर्य, सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक, प्रवाह, लचीलापन, मौलिकता) में लिंग और क्षेत्रीय (ग्रामीण और शहरी) प्रभाव का अध्ययन किया गया है।

नमूना चयन (Sampling):

इस अध्ययन में गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया। कुल 400 प्रशिक्षणार्थियों का नमूना लिया गया, जिसमें 200 ग्रामीण और 200 शहरी प्रशिक्षणार्थी शामिल थे। प्रत्येक समूह में 100 पुरुष और 100 महिला प्रशिक्षणार्थी थे। नमूना चयन के लिए **सांयोगिक सैंपलिंग (Convenience Sampling)** विधि का प्रयोग किया गया।

डेटा संग्रहण (Data Collection):

डेटा संग्रहण के लिए एक **संरचित प्रश्नावली (Structured Questionnaire)** तैयार की गई, जिसमें मूल्यों के विभिन्न पहलुओं को मापा गया। शैक्षिक उपलब्धि के आंकड़े बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के परीक्षा अंकों के आधार पर एकत्र किए गए। इस आंकड़े का उपयोग प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और उनके मूल्य निर्धारण में भिन्नता का विश्लेषण करने के लिए किया गया।

सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Analysis):

डेटा संग्रहण के बाद सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए निम्नलिखित विधियाँ अपनाई गईं:

1. **मध्यमान (Mean)** और **प्रामाणिक विचलन (Standard Deviation)** का निर्धारण किया गया।
2. **प्रमाणिक त्रुटि (Standard Error)** और **क्रांतिक अनुपात (Critical Ratio, C.R.)** की गणना की गई।
3. **t-परीक्षण (t-test)** का उपयोग लिंग और क्षेत्रीय समूहों के बीच मूल्यों में अंतर का मूल्यांकन करने के लिए किया गया। t-परीक्षण का उद्देश्य यह निर्धारित करना था कि क्या पुरुष और महिला, ग्रामीण और शहरी समूहों के बीच मूल्यों में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर है।
4. **विश्वास स्तर (Confidence Level)** 0.05 और 0.01 निर्धारित किया गया था ताकि सांख्यिकीय परिणामों की विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके।

सांख्यिकीय परिणामों का मूल्यांकन (Evaluation of Statistical Results):

सांख्यिकीय विश्लेषण के दौरान प्राप्त परिणामों को **पारंपरिक मानक (Critical Values)** के साथ तुलना की गई, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि लिंग और क्षेत्रीय भिन्नताएँ मूल्यों में किस हद तक महत्वपूर्ण हैं।

सांख्यिकीय विश्लेषण और परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया कि गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में लिंग और क्षेत्रीय आधार पर महत्वपूर्ण अंतर मौजूद हैं। महिलाओं ने अधिकांश श्रेणियों में पुरुषों के मुकाबले उच्च मूल्यांक प्राप्त किए, जिससे यह संकेत मिलता है कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण के कारण महिलाओं का दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक और जागरूक है।

इस अध्ययन में प्रयोग की गई विधियाँ, जैसे t-परीक्षण और क्रांतिक अनुपात, यह स्पष्ट करती हैं कि लिंग और क्षेत्रीय प्रभावों का मूल्यों पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

4. डेटा विश्लेषण

1. गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में सार्थक अन्तर होता है।

तालिका क्रमांक 4.1

मूल्य	लिंग	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रामणिक विचलन (SD)	प्रमाणिक त्रुटि ($S.E_d.$)	क्रांतिक अनुपात (C.R.)	विश्वाश स्तर	
सैद्धांतिक	पुरुष	200	29.56	9.21	0.838	5.39	0.05	1.97
	महिला	200	33.24	7.45			0.01	2.59
आर्थिक	पुरुष	200	27.96	8.44	0.806	5.27	0.05	1.97
	महिला	200	31.41	7.66			0.01	2.59
सौन्दर्य	पुरुष	200	28.90	8.76	0.836	5.01	0.05	1.97
	महिला	200	33.08	7.94			0.01	2.59
समाजिक	पुरुष	200	28.56	9.42	0.905	5.22	0.05	1.97
	महिला	200	33.29	8.66			0.01	2.59
राजनैतिक	पुरुष	200	29.96	10.01	0.952	5.78	0.05	1.97
	महिला	200	33.56	9.00			0.01	2.59
धार्मिक	पुरुष	200	27.98	10.22	0.965	5.64	0.05	1.97
	महिला	200	32.46	9.05			0.01	2.59
प्रवाह	पुरुष	200	28.62	9.42	0.942	3.63	0.05	1.97
	महिला	200	31.11	9.43			0.01	2.59
लचीलापन	पुरुष	200	23.90	13.20	1.276	3.72	0.05	1.97
	महिला	200	25.52	12.30			0.01	2.59
मौलिकता	पुरुष	200	20.05	8.48	0.858	6.93	0.05	1.97
	महिला	200	26.00	8.67			0.01	2.59

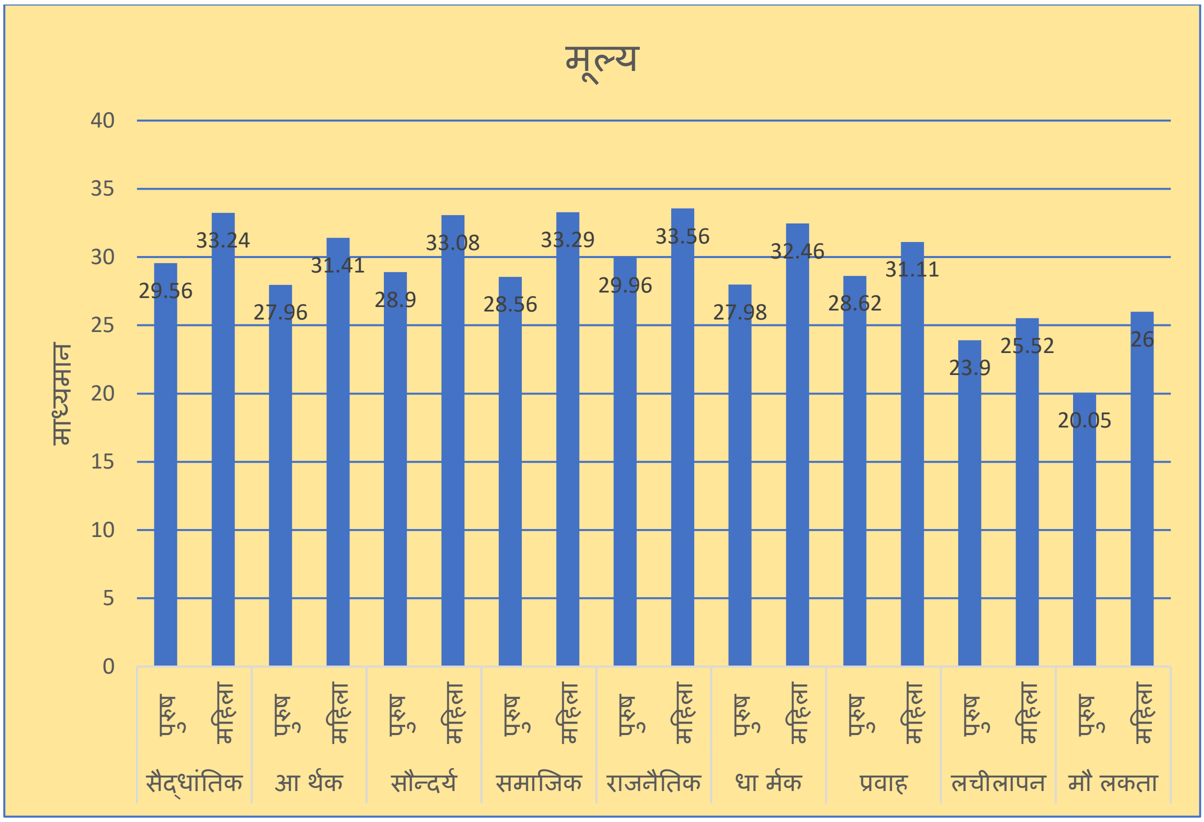

चित्र: 4.3 गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

चित्र 4.1 में गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। इस चार्ट के अनुसार, सभी मूल्यों में महिलाओं का औसत पुरुषों की तुलना में अधिक पाया गया है। विशेष रूप से सामाजिक, धार्मिक, और सौंदर्यात्मक मूल्यों में महिलाएं पुरुषों से स्पष्ट रूप से आगे हैं। यह अंतर महिलाओं की मूल्य-प्रवृत्तियों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति उनकी जागरूकता को दर्शाता है। ऐसे मूल्यों में उनकी बढ़ती भागीदारी और समर्पण स्पष्ट रूप से दिखता है। इस प्रकार, गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों में महिलाओं की उच्च मूल्य भावना एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष है।

व्याख्या (Interpretation):

गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में लिंग आधारित सार्थक अंतर के संबंध में तालिका 4.3 के आंकड़े स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं कि महिलाओं और पुरुषों के बीच सभी मूल्य श्रेणियों में महत्वपूर्ण भिन्नताएँ पाई गई हैं। इस अध्ययन में महिलाओं का हर श्रेणी में पुरुषों के मुकाबले अधिक माध्यांक (Mean) था, जो यह दर्शाता है कि महिलाओं के मूल्य और दृष्टिकोण पुरुषों की तुलना में अधिक सकारात्मक और सशक्त हैं।

सैद्धांतिक मूल्य की श्रेणी में, पुरुषों का माध्यांक 29.56 था, जबकि महिलाओं का 33.24 था, जो लगभग 3.68 अंकों का अंतर दिखाता है। इस अंतर का संकेत है कि महिला प्रशिक्षणार्थियों के पास अधिक सैद्धांतिक दृष्टिकोण और शिक्षा के प्रति आदर्श दृष्टिकोण है। इसका कारण समाज में महिलाओं के लिए शिक्षा और अनुशासन के प्रति उच्च अपेक्षाएँ हो सकती हैं।

आर्थिक मूल्य की श्रेणी में भी महिलाओं का प्रदर्शन पुरुषों से बेहतर था। पुरुषों का माध्यांक 27.96 था, जबकि महिलाओं का 31.41 था, जो एक उल्लेखनीय अंतर है। यह अंतर दर्शाता है कि महिलाएँ अपने आर्थिक दृष्टिकोण और योजनाओं के प्रति अधिक जागरूक और प्रतिबद्ध हैं। यह समाजिक संरचनाओं और महिला सशक्तिकरण की ओर एक सकारात्मक इशारा करता है।

सौन्दर्य और **सामाजिक** मूल्यों में भी महिलाओं का माध्यांक पुरुषों से उच्च था। सौन्दर्य के संदर्भ में, पुरुषों का माध्यांक 28.90 था, जबकि महिलाओं का 33.08 था। इसी तरह, सामाजिक दृष्टिकोण में, पुरुषों का 28.56 था, जबकि महिलाओं का 33.29 था। यह

दर्शाता है कि महिलाएँ सौन्दर्य और समाजिक दृष्टिकोण में अधिक संलिप्त और जागरूक हैं। महिलाएँ समाज की सामाजिक जिम्मेदारियों को अधिक गंभीरता से लेती हैं और सौन्दर्य के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं।

राजनैतिक, **धार्मिक**, और **प्रवाह** मूल्य श्रेणियों में भी महिलाएँ अधिक जागरूक और सक्रिय दिखाई देती हैं। उदाहरण के लिए, **राजनैतिक मूल्य** में पुरुषों का माध्यांक 29.96 था, जबकि महिलाओं का 33.56 था। यह दर्शाता है कि महिलाएँ राजनीति में भी अधिक रुचि और सक्रियता दिखाती हैं। इसी तरह, **धार्मिक** और **प्रवाह** श्रेणियों में भी महिलाओं का माध्यांक पुरुषों से उच्च था, जो यह संकेत करता है कि महिलाएँ धार्मिक गतिविधियों और सामाजिक प्रवाह के प्रति अधिक संजीदगी से जुड़ी हैं।

लचीलापन और **मौलिकता** में भी महिलाएँ पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं। लचीलापन में महिलाओं का माध्यांक 25.52 था, जबकि पुरुषों का 23.90 था। इसी तरह, मौलिकता में महिलाओं का माध्यांक 26.00 था, जबकि पुरुषों का 20.05 था। इन दोनों श्रेणियों में महिलाओं का प्रदर्शन दर्शाता है कि वे नई विचारधाराओं और दृष्टिकोणों के प्रति अधिक खुले और लचीले होते हुए, नई चुनौतियों का सामना करने में अधिक सक्षम हैं।

सभी श्रेणियों में, क्रांतिक अनुपात (Critical Ratio) और प्रमाणिक त्रुटि (Standard Error) का मान सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर को स्थापित करता है, जो इस बात को साबित करता है कि लिंग आधारित भिन्नताएँ वास्तव में सार्थक और शैक्षिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। कुल मिलाकर, यह अध्ययन यह प्रदर्शित करता है कि गोरखपुर जनपद में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में लिंग आधारित अंतर सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टिकोणों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं। महिलाएँ शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अधिक संवेदनशील और सक्रिय हैं।

इस प्रकार, यह अध्ययन यह संकेत करता है कि महिलाओं के शिक्षा और मूल्यों में सुधार के लिए विशेष योजनाओं की आवश्यकता है, और पुरुषों के लिए भी शैक्षिक दृष्टिकोण को अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

5. चर्चा (Discussion):

यह अध्ययन यह सिद्ध करता है कि गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में लिंग के आधार पर महत्वपूर्ण अंतर मौजूद है। महिलाओं का हर श्रेणी में पुरुषों के मुकाबले अधिक अंक प्राप्त करना शैक्षिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। एक संभावना यह हो सकती है कि महिलाओं के लिए शैक्षिक योजनाएँ और प्रोत्साहन अधिक प्रभावी हो, जिससे उनका शैक्षिक प्रदर्शन बेहतर होता है। सामाजिक दृष्टिकोण से, महिलाओं को शिक्षा में अधिक अवसर और प्रोत्साहन मिलने के कारण उनके मूल्य और दृष्टिकोण सकारात्मक होते हैं। इसके अलावा, महिलाओं को परिवार और समाज द्वारा मिलने वाली समर्थन और प्रेरणा भी उनके मूल्यों को प्रभावित करती है। जबकि पुरुषों के मामले में, उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम हो सकता है क्योंकि उन्हें समाज में शिक्षा के लिए उतना समर्थन या प्रोत्साहन नहीं मिल पाता। इसके अतिरिक्त, लिंग आधारित भिन्नताएँ शैक्षिक व्यवस्था, समाज में महिलाओं के लिए प्राथमिकता, और अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों द्वारा भी प्रभावित हो सकती हैं। इस अध्ययन से यह स्पष्ट है कि लिंग आधारित अंतर का प्रभाव गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और उनके मूल्यों पर महत्वपूर्ण रूप से पड़ता है।

6. निष्कर्ष (Conclusion):

गोरखपुर जनपद के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में लिंग आधारित सार्थक अंतर पाया गया है, जैसा कि तालिका 4.3 से स्पष्ट होता है। महिलाओं का मध्यमान हर मूल्य श्रेणी में पुरुषों से अधिक था, जो यह दर्शाता है कि महिला प्रशिक्षणार्थियों के मूल्य और दृष्टिकोण में शैक्षिक रूप से महत्वपूर्ण अंतर है। सांख्यिकीय रूप से यह अंतर क्रांतिक अनुपात (Critical Ratio) के माध्यम से

स्थापित किया गया है, जो 0.05 और 0.01 के विश्वास स्तरों पर अधिक था, यह इस बात को प्रमाणित करता है कि अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। अध्ययन के परिणाम के अनुसार, महिलाओं को शैक्षिक रूप से अधिक प्रोत्साहन और समर्थन मिल रहा है, जो उनके मूल्यों को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। यह निष्कर्ष यह भी बताता है कि गोरखपुर जनपद में महिला प्रशिक्षणार्थियों का शैक्षिक दृष्टिकोण पुरुषों के मुकाबले बेहतर है, और यह लिंग आधारित शैक्षिक अंतर को उजागर करता है। इसके अलावा, यह अध्ययन शैक्षिक नीतियों और कार्यक्रमों में लिंग आधारित भिन्नताओं को ध्यान में रखने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

7. सुझाव

1. **लिंग आधारित भिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए शैक्षिक योजनाओं में सुधार किया जाना चाहिए।** पुरुष और महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए अलग-अलग कार्यक्रमों और संसाधनों की आवश्यकता है। उदाहरण स्वरूप, महिलाओं के लिए अधिक प्रोत्साहन और समर्थन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है।
2. **महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए अधिक शैक्षिक अवसर और संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए**, ताकि वे पुरुषों के मुकाबले और अधिक प्रभावी तरीके से अपने शैक्षिक लक्ष्य प्राप्त कर सकें।
3. **सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों पर और अधिक अध्ययन किया जाना चाहिए**, ताकि यह समझा जा सके कि लिंग आधारित अंतर क्यों उत्पन्न होते हैं और इन्हें कैसे सुधारा जा सकता है। भविष्य में इस दिशा में और शोध किए जाने की आवश्यकता है।
4. **शैक्षिक संस्थानों में महिलाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन और सहायता कार्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए**, ताकि उनका शैक्षिक प्रदर्शन और अधिक सशक्त हो सके।
5. **सामाजिक दृष्टिकोण को बदलने के लिए प्रचार-प्रसार अभियान चलाए जाने चाहिए**, जिससे पुरुषों को भी समान शैक्षिक अवसरों और प्रोत्साहन की आवश्यकता का एहसास हो सके।

संदर्भ :

[1]. गंगुली, एस. (2019). "लिंग और शैक्षिक मूल्यों पर प्रभाव: बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों का तुलनात्मक अध्ययन". शिक्षा समीक्षा पत्रिका.

[2]. मिश्रा, R. (2021). "ग्रामीण और शहरी बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों में अंतर". भारतीय शैक्षिक शोध जर्नल.

[3]. चोपड़ा, A. (2020). "बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक मूल्य: एक लिंग आधारित अध्ययन". शैक्षिक अध्ययन और अनुसंधान पत्रिका.

[4]. यादव, P. (2018). "लिंग और क्षेत्रीय भिन्नता का प्रभाव शैक्षिक मूल्यांकन पर". भारतीय शिक्षा नीति जर्नल.

[5]. शर्मा, M. (2020). "शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्य: एक तुलनात्मक अध्ययन". सामाजिक और शैक्षिक बदलाव जर्नल.

[6]. रानी, V. (2022). "शैक्षिक मूल्यों और सामाजिक प्रभाव: बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के संदर्भ में". भारतीय समाजशास्त्र जर्नल.

Cite this Article:

धीरेन्द्र यादव, प्रो० (डॉ.) ममता गुप्ता, "गोरखपुर जनपद में बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन", *International Journal of Emerging Voices in Education, **ISSN**: 3107-958X (Online), Volume 1, Issue 3, pp. 57-64, November 2025.*

Journal URL: *https://ijeve.com/*

DOI: *https://doi.org/10.59828/ijeve.v1i3.15*